



MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

Media Visibility Report

Case Study: Fincare Small Finance Bank: Fulfilling Dreams of the Underprivileged

Region: Madhya Pradesh

Date of Dissemination: September 10, 2020

Media Coverage Index

S. No.	Date	Publication Name	Edition
1.	15.09.2020	LN Star	MP
2.	13.09.2020	Dabang Dunia	MP
3.	12.09.2020	Dainik Jagran	MP
4.	12.09.2020	Dainik Kausar	MP
5.	12.09.2020	Fine times	MP
6.	14.09.2020	Haribhoomi	MP
7.	11.09.2020	Navbharat	MP
8.	12.09.2020	Pradesh Times	MP
9.	13.09.2020	Raj Express	MP
10.	11.09.2020	Samay Jagat	MP

Publication	LN Star
Edition	MP
Date	15 th September, 2020
Page No.	7

वधितो के सपनो को पूरा करने की दिशा में - फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी। तुलसा बाई का संबंध मध्य प्रदेश के एक छोटे से गाँव दुर्गा नगर से है। उनके परिवार के साथ-साथ उनके गाँव में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बनने की उनकी कहानी आकांक्षात्मक है। तुलसा के 4 सदस्य वाले परिवार में उनके पति और दो बच्चे शामिल हैं, जो अपर्याप्त वित्तीय परिस्थितियों से जूझ रहे थे। उनके पति द्वारा अर्जित आय उनके परिवार की बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अपर्याप्त थी। उसे अपने बच्चों की स्कूल फीस के खर्च को वहन करने के लिए छोटे ऋणों पर निर्भर रहना पड़ता था जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित होती थी। लगभग चार साल पहले, तुलसा को उसके पड़ोसी ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक में लेकर गये। फिनकेयर ऋण अधिकारी ने उन्हें समूह ऋण सुविधा के संचालन के बारे में अवगत कराया और बताया कि इससे किस प्रकार परिवारों को अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार करने में मदद मिलती है। तुलसा की चिंता को दूर करते हुए इस ऋण से मिलने वाले लाभ पर विस्तार से जानकारी अवगत करवाई। तुलसा अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की सदस्य बन गई। फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के सदस्य बनने के तुरंत बाद, तुलसा को अपना पहला ऋण 26000 रुपये का मिला, और उनके जीवन में एक सकारात्मक मोड़ आया। उसने अपने घर पर एक छोटी सी दुकान खोली, जहाँ वह रुपये कमाने लगी। 150 से 200 रुपये प्रति दिन, इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ा, और बढ़ी हुई आय की मदद से, वह अपनी सभी बैंक किशतों को जमा करने में सक्षम हो गई। अपने पिछले ऋण को चुकाने के बाद उसने 35000 रुपये का एक और ऋण लिया और चूड़ियाँ बेचना शुरू कर दिया। उनके लगातार प्रयासों से, उनकी मासिक पारिवारिक आय बढ़कर लगभग 6000 से 15000 रुपये प्रतिमाह हो गई, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो गई। तुलसा अब समाज में एक सम्मानजनक जीवन जी रही हैं और निजी स्कूल में अपने दोनों बच्चों को शिक्षा देने में सक्षम हैं। फिनकेयर एसएफबी द्वारा जरूरत के समय में उसे एवं अन्य महिलाओं को मदद करने के लिये आभारी है। फिनकेयर एसएफबी के समर्थन ने उसके आत्मविश्वास को काफी बढ़ावा दिया, और वह आर्थिक रूप से और मजबूत बनने के लिए प्रयासरत है। तुलसा कहती हैं, चूंकि फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के बिना इस सफलता को हासिल नहीं कर सकते थे। बैंकों से ऋण प्राप्त करना कठिन था, और स्थानीय तौर पर उधारदाताओं ने हमें जीवन भर कर्ज तले दबा दिया था। फिनकेयर की बदौलत अब हम एक खुशहाल और सुरक्षित जीवन जी रहे हैं।

Publication	Dabang Dunia
Edition	MP
Date	13 th September, 2020
Page No.	4

फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक ने वंछितों के सपनों को पूरा करने की दिशा में उठाए कदम

भोपाल। तुलसा बाई का संबंध मध्यप्रदेश के एक छोटे से गांव दुर्गा नगर से है। उनके परिवार के साथ-साथ उनके गांव में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बनने की उनकी कहानी आकांक्षात्मक है। तुलसा के चार सदस्य वाले परिवार में उनके पति और दो बच्चे शामिल हैं, जो अपर्याप्त वित्तीय परिस्थितियों से जूझ रहे थे। लगभग चार साल पहले तुलसा को उसके पड़ोसी ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक में लेकर गए। फिनकेयर ऋण अधिकारी ने उन्हें समूह ऋण सुविधा के संचालन के बारे में अवगत कराया और बताया कि इससे किस प्रकार परिवारों को अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार करने में मदद मिलती है। तुलसा अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की सदस्य बन गईं। फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के सदस्य बनने के तुरंत बाद तुलसा को अपना पहला ऋण 26000 रुपए का मिला और उनके जीवन में एक सकारात्मक मोड़ आया। उसने अपने घर पर एक छोटी सी दुकान खोली, जहां

वह रुपए कमाने लगी। 150 से 200 रुपए प्रति दिन, इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ाए और बढ़ी हुई आय की मदद से वह अपनी सभी बैंक किश्तों को जमा करने में सक्षम हो गईं। अपने पिछले ऋण को चुकाने के बाद उसने 35000 रुपए का एक और ऋण लिया और चूड़ियां बेचना शुरू कर दिया। उनके लगातार प्रयासों से उनकी मासिक पारिवारिक आय बढ़कर लगभग 6000 से 15000 रुपए प्रतिमाह हो गई, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो गई। फिनकेयर एसएफबी के समर्थन ने उसके आत्मविश्वास को काफी बढ़ावा दिया और वह आर्थिक रूप से और मजबूत बनने के लिए प्रयासरत है। तुलसा कहती हैं हम फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के बिना इस सफलता को हासिल नहीं कर सकते थे। बैंकों से ऋण प्राप्त करना कठिन था और स्थानीय तौर पर उधारदाताओं ने हमें जीवन भर कर्ज तले दबा दिया था। फिनकेयर की बदौलत अब हम एक खुशहाल और सुरक्षित जीवन जी रहे हैं।

Publication	Dainik Jagran
Edition	MP
Date	12 th September, 2020
Page No.	12

सपनों को पूरा कर रहा फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

इंदौर, जेएनएन। तुलसा बाई का संबंध मप्र के एक छोटे से गांव दुर्गा नगर से है। उनके परिवार के साथ-साथ उनके गांव में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बनने की उनकी कहानी आकांक्षात्मक है। तुलसा के 4 सदस्य वाले परिवार में उनके पति और दो बच्चे शामिल हैं, जो अपर्याप्त वित्तीय परिस्थितियों से जूझ रहे थे। लगभग चार साल पहले, तुलसा को उसके पड़ोसी ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक में लेकर गए। फिनकेयर ऋण अधिकारी ने उन्हें समूह ऋण सुविधा के संचालन के बारे में अवगत कराया और बताया कि इससे किस प्रकार परिवारों को अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार करने में मदद मिलती है। फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के सदस्य बनने के तुरंत बाद, तुलसा को अपना पहला ऋण 26000 रुपए का मिला, और उनके जीवन में एक सकारात्मक मोड़ आया।

Publication	Dainik Kausar
Edition	MP
Date	12 th September, 2020
Page No.	7

वंछितों के सपनों को पूरा करने की दिशा में फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

नई दिल्ली। तुलसा बाई का संबंध मध्य प्रदेश के एक छोटे से गाँव दुर्गा नगर से है। उनके परिवार के साथ-साथ उनके गाँव में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बनने की उनकी कहानी आकांक्षात्मक है। तुलसा के 4 सदस्य वाले परिवार में उनके पति और दो बच्चे शामिल हैं, जो अपर्याप्त वित्तीय परिस्थितियों से जूझ रहे थे। उनके पति द्वारा अर्जित आय उनके परिवार की बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अपर्याप्त थी। उसे अपने बच्चों की स्कूल फीस के खर्च को वहन करने के लिए छोटे ऋणों पर निर्भर रहना पड़ता था जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित होती थी। लगभग चार साल पहले, तुलसा को उसके पड़ोसी ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक में लेकर गये। फिनकेयर ऋण अधिकारी ने उन्हें समूह ऋण सुविधा के संचालन के बारे में अवगत कराया और बताया कि इससे किस प्रकार परिवारों को अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार करने में मदद मिलती है। तुलसा की चिंता को दूर करते हुए इस ऋण से मिलने वाले लाभ पर विस्तार से जानकारी अवगत करवाई। तुलसा अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की सदस्य बन गई। फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के सदस्य बनने के तुरंत बाद, तुलसा को अपना पहला ऋण 26000 रुपये का मिला, और उनके जीवन में एक सकारात्मक मोड़ आया। उसने अपने घर पर एक छोटी सी दुकान खोली, जहाँ वह रुपये कमाने लगी। 150 से 200 रुपये प्रति दिन, इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ा, और बड़ी हुई आय की मदद से, वह अपनी सभी बैंक किश्तों को जमा करने में सक्षम हो गई।

Publication	Fine Times
Edition	MP
Date	12 th September, 2020
Page No.	6

वंचितों के सपनों को पूरा करने की दिशा

में - फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

मुंबई एजेंसी। तुलसा बाई का संबंध मध्य प्रदेश के एक छोटे से गाँव दुर्गा नगर से है। उनके परिवार के साथ-साथ उनके गाँव में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बनने की उनकी कहानी आकांक्षात्मक है। तुलसा के 4 सदस्य वाले परिवार में उनके पति और दो बच्चे शामिल हैं, जो अपर्याप्त वित्तीय परिस्थितियों से जूझ रहे थे। उनके पति द्वारा अर्जित आय उनके परिवार की बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अपर्याप्त थी। उसे अपने बच्चों की स्कूल फीस के खर्च को वहन करने के लिए छोटे ऋणों पर निर्भर रहना पड़ता था जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित होती थी। लगभग चार साल पहले, तुलसा को उसके पड़ोसी ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक में लेकर गये। फिनकेयर ऋण अधिकारी ने उन्हें समूह ऋण सुविधा के संचालन के बारे में अवगत कराया और बताया कि इससे किस प्रकार परिवारों को अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार करने में मदद मिलती है। तुलसा की चिंता को दूर करते हुए इस ऋण से मिलने वाले लाभ पर विस्तार से जानकारी अवगत करवाई। तुलसा अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की सदस्य बन गई। फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के सदस्य बनने के तुरंत बाद, तुलसा को अपना पहला ऋण 26000 रुपये का मिला, और उनके जीवन में एक सकारात्मक मोड़ आया। उसने अपने घर पर एक छोटी सी दुकान खोली, जहाँ वह रुपये कमाने लगी। 150 से 200 रुपये प्रति दिन, इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ा, और बढ़ी हुई आय की मदद से, वह अपनी सभी बैंक किश्तों को जमा करने में सक्षम हो गई।

Publication	Haribhoomi
Edition	MP
Date	11 th September, 2020
Page No.	7

सपनों को पूरा करने की दिशा में फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

इंदौर। तुलसा बाई का संबंध मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव दुर्गा नगर से है। उनके परिवार के साथ-साथ उनके गांव में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बनने की उनकी कहानी आकांक्षात्मक है। तुलसा के 4 सदस्य वाले परिवार में उनके पति और दो बच्चे शामिल हैं, जो अपर्याप्त वित्तीय परिस्थितियों से जूझ रहे थे। उनके पति द्वारा अर्जित आय उनके परिवार की बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अपर्याप्त थी। उसे अपने बच्चों की स्कूल फीस के खर्च को वहन करने के लिए छोटे ऋणों पर निर्भर रहना पड़ता था जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित होती थी। लगभग चार साल पहले, तुलसा को उसके पड़ोसी ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक में लेकर गये। फिनकेयर ऋण अधिकारी ने उन्हें समूह ऋण सुविधा के संचालन के बारे में अवगत

कराया और बताया कि इससे किस प्रकार परिवारों को अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार करने में मदद मिलती है। तुलसा की चिंता को दूर करते हुए इस ऋण से मिलने वाले लाभ पर विस्तार से जानकारी अवगत करवाई। तुलसा अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की सदस्य बन गई। फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के सदस्य बनने के तुरंत बाद, तुलसा को अपना पहला ऋण 26000 रुपए का मिला, और उनके जीवन में एक सकारात्मक मोड़ आया। उसने अपने घर पर एक छोटी सी दुकान खोली, जहां वह रुपए कमाने लगी। 150 से 200 रुपए प्रति दिन, इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ा, और बढ़ी हुई आय की मदद से, वह अपनी सभी बैंक किश्तों को जमा करने में सक्षम हो गई। अपने पिछले ऋण को चुकाने के बाद उसने 35000 रुपए का एक और ऋण लिया और चूड़ियां बेचना शुरू कर दिया। उनके लगातार प्रयासों से, उनकी मासिक पारिवारिक आय बढ़कर लगभग 6000 से 15000 रुपए प्रतिमाह हो गई, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो गई।

Publication	Navbharat
Edition	MP
Date	14 th September, 2020
Page No.	3

फिनकेयर एसएमबी ने मिला सम्मानजनक जीवन

एक छोटे से गाँव दुर्गा नगर से रहने वाली तुलसा बाई के परिवार के साथ-साथ उनके गाँव में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बनने की उनकी कहानी प्रेरणादायक है . तुलसा के परिवार में उनके पति और दो बच्चे हैं . पति द्वारा अर्जित आय से परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं हो रही थी . बच्चों की स्कूल फीस के खर्च को वहन करने के लिए छोटे ऋणों पर निर्भर रहना पड़ता था . लगभग चार साल पहले, तुलसा को उसके पड़ोसी ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक में लेकर गये . फिनकेयर ऋण अधिकारी ने उन्हें समूह ऋण सुविधा के संचालन के बारे में अवगत कराया और बताया कि इससे किस प्रकार परिवारों को अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार करने में मदद मिलती है . तुलसा अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए बैंक की सदस्य बन गई . सदस्य बनने के तुरंत बाद तुलसा को 26 हजार रुपये का ऋण मिला . उसने अपने घर पर एक छोटी दुकान खोली और रुपये कमाने लगी . पिछले ऋण को चुकाने के बाद उसने 35000 रुपये का एक और ऋण लिया और चूड़ियाँ बेचना शुरू कर दिया . उनके लगातार प्रयासों से, उनकी मासिक पारिवारिक आय बढ़ गई, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो गई . तुलसा अब समाज में एक सम्मानजनक जीवन जी रही हैं और निजी स्कूल में अपने बच्चों को शिक्षा देने में सक्षम हैं . तुलसा बताती है फिनकेयर की बदौलत अब हम एक खुशहाल और सुरक्षित जीवन जी रहे हैं .

Publication	Pradesh Times
Edition	MP
Date	12 th September, 2020
Page No.	3

वंचितों के सपनों को पूरा करने की दिशा में . फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

तुलसा बाई का संबंध मध्य प्रदेश के एक छोटे से गाँव दुर्गा नगर से है। उनके परिवार के साथ-साथ उनके गाँव में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बनने की उनकी कहानी आकांक्षात्मक है। तुलसा के 4 सदस्य वाले परिवार में उनके पति और दो बच्चे शामिल हैं जो अपर्याप्त वित्तीय परिस्थितियों से जूझ रहे थे। उनके पति द्वारा अर्जित आय उनके परिवार की बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अपर्याप्त थी। उसे अपने बच्चों की स्कूल फीस के खर्च को वहन करने के लिए छोटे ऋणों पर निर्भर रहना पड़ता था जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित होती थी। लगभग चार साल पहले तुलसा को उसके पड़ोसी ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक में लेकर गये। फिनकेयर ऋण अधिकारी ने उन्हें समूह ऋण सुविधा के संचालन के बारे में अवगत कराया और बताया कि इससे किस प्रकार परिवारों को अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार करने में मदद मिलती है। तुलसा की चिंता को दूर करते हुए इस ऋण से मिलने वाले लाभ पर विस्तार से जानकारी अवगत करवाई। तुलसा अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की सदस्य बन गई। फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के सदस्य बनने के तुरंत बाद तुलसा को अपना पहला ऋण 26000 रुपये का मिला और उनके जीवन में एक सकारात्मक मोड़ आया। उसने अपने घर पर एक छोटी सी दुकान खोली जहाँ वह रुपये कमाने लगी। 150 से 200 रुपये प्रति दिन इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ाए और बड़ी हुई आय की मदद से वह अपनी सभी बैंक किश्तों को जमा करने में सक्षम हो गई। अपने पिछले ऋण को चुकाने के बाद उसने 35000 रुपये का एक और ऋण लिया और चूड़ियाँ बेचना शुरू कर दिया। उनके लगातार प्रयासों से उनकी मासिक पारिवारिक आय बढ़कर लगभग 6000 से 15000 रुपये प्रतिमाह हो गई। जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो गई। तुलसा अब समाज में एक सम्मानजनक जीवन जी रही हैं और निजी स्कूल में अपने दोनों बच्चों को शिक्षा देने में सक्षम हैं। फिनकेयर एसएफबी द्वारा जरूरत के समय में उसे एवं अन्य महिलाओं को मदद करने के लिये आभारी है। फिनकेयर एसएफबी के समर्थन ने उसके आत्मविश्वास को काफी बढ़ावा दिया और वह आर्थिक रूप से और मजबूत बनने के लिए प्रयासरत है। तुलसा कहती हैं शहम फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के बिना इस सफलता को हासिल नहीं कर सकते थे। बैंकों से ऋण प्राप्त करना कठिन था और स्थानीय तौर पर उधारदाताओं ने हमें जीवन भर कर्ज तले दबा दिया था। फिनकेयर की बदौलत अब हम एक खुशहाल और सुरक्षित जीवन जी रहे हैं।

Publication	Raj Express
Edition	MP
Date	13 th September, 2020
Page No.	7

वंचितों को कर्ज दे रहा फिनकेयर स्मॉल बैंक

नई दिल्ली। तुलसा बाई के चार सदस्य वाले परिवार में पति और दो बच्चे हैं। तुलसा के पति द्वारा अर्जित आय परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अपर्याप्त थी। चार साल पहले तुलसा को पड़ोसी ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक लेकर गए। फिनकेयर ऋण अधिकारी ने उन्हें समूह ऋण सुविधा के बारे में बताया। तुलसा आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की सदस्य बन गई। बैंक के सदस्य बनने के तुरंत बाद तुलसा को अपना पहला ऋण 26000 रुपये का मिला जिससे उसने घर पर एक छोटी सी दुकान खोली। दुकान से हुई आय से कर्ज उतारने के बाद तुलसा ने दूसरा कर्ज लिया। तुलसा कहती हैं, हम फिनकेयर के बिना इस सफलता को हासिल नहीं कर सकते थे। फिनकेयर बैंक वंचितों को कर्ज उपलब्ध कराकर उन्हें जीविका चलाने में मदद कर रहा है।

Publication	Samay Jagat
Edition	MP
Date	11 th September, 2020
Page No.	12

वंछितों के सपनों को पूरा करने की दिशा में फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

भोपाल । तुलसा बाई का संबंध मध्य प्रदेश के एक छोटे से गाँव दुर्गा नगर से है । उनके परिवार के साथ-साथ उनके गाँव में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बनने की उनकी कहानी आकांक्षात्मक है । तुलसा के 4 सदस्य वाले परिवार में उनके पति और दो बच्चे शामिल हैं, जो अपर्याप्त वित्तीय परिस्थितियों से जूझ रहे थे । उनके पति द्वारा अर्जित आय उनके परिवार की बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अपर्याप्त थी । उसे अपने बच्चों की स्कूल फीस के खर्च को वहन करने के लिए छोटे ऋणों पर निर्भर रहना पड़ता था जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित होती थी । लगभग चार साल पहले, तुलसा को उसके पड़ोसी ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक में लेकर गये । फिनकेयर ऋण अधिकारी ने उन्हें समूह ऋण सुविधा के संचालन के बारे में अवगत कराया और बताया कि इससे किस प्रकार परिवारों को अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार करने में मदद मिलती है ।